जूम ट्रेक नम्बर 0019 दिनांक

कलाकार का विवरण 23/4/2024

नाम - कुचय खां . पिता का नाम - रमजान खां

जाति मागणियार आयु 50

पता - टोंक वाद्य का विवरण - कमायचा

कला का विवरण - अचले खींची री बात

① अचले खींचीरी वार्ता ⇒ अचला खींची एक राजकुंवर था और उनकी शादी नही हुई थी। सादी का वर्णन इस वार्ता में किया गया है। अचला खींची एक महान बलवान फौजदार था, और अच्छे गुणों वाला था, अचले खींची की सादी उमादे सणी से की गई थी. उमादे सणी कोरी कमार कुंवारी थी. और नर पक्षी का दर्शन नही करती थी. और फूलो से तुलती थी. पर अचले खींची का लक्ष्य उमादे से था और अचला खींची अपनी फौज तैयार कर गढ गिरनार जाने की तैयारी की और उमादे सणी से सादी करने तो गढ गिरनार के लिए रवाना हो गए। घोडा, ऊंठ, हाथी की सवारी में जाकर गढ पर पहुंचे और अपनी फौज उतारी सब लोगो को पता लगा की गढ गिरनार पर राजा अचलाजी चढाई कर दिया है. गढ गिरनार के राजा को खबर पहुंचाई पर राजा क्या करे अचला खींची राजा के पास हर चीज की व्यवस्था थी. और शक्तिशाली फौज थी. गढ गिरनार को कुब्ज कब्जा कर लिया और यह वचन था जो गढ को जीतेगा उसे मेरी लड़की की शादी करूंगा तो अचले जी खींची ने ऐसा ही किया, सणी से सादी करके घर आया।